RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 06 जनवरी 2025 वर्ष 06 अंक 264 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

वसोर्वा से विरार तक का सफर 45 मिनट में... सी-लिंक होगा 55 किमी लंबी

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र सरकार सरपंच हत्या मामले की दृढ़ता से जांच कर रही- फडणवीस

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार बीड जिले के मसजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले की पूरी दृढ़ता के साथ जांच कर रही है और अपराध में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जायेगा। फडणवीस ने पत्रकारों से कहा कि संतोष देशमुख की हत्या मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

देशमुख की नौ दिसंबर को उस समय हत्या कर दी गई थी, जब उन्होंने बीड में पवनचक्की परियोजना संचालित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली की कोशिश को रोकने का प्रयास किया था। महाराष्ट्र के मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे के सहयोगी वाल्मीक कराड को जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार किया गया था। हत्या के मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''बीड मामले में सरकार और पुलिस पूरी ताकत और दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा।''उन्होंने कहा कि देशमुख एक लोकप्रिय सरपंच थे लेकिन उनकी मौत मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। फडणवीस ने कहा, ''आरोपी भले ही फरार हों, लेकिन कार्रवाई की जा रही है। हम उन लोगों को नहीं बख्श रहे हैं जिन्होंने आरोपियों की मदद की। जांच एजेंसियों को मामले की सही तरीके से जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए।''पुलिस ने शनिवार को बताया कि उन्होंने फरार आरोपियों सुदर्शन चंद्रभान घुले (26) और सुधीर सांगले (23) को पुणे से पकड़ लिया है और सिद्धार्थ सोनवणे को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी साजिश में कथित भूमिका जांच के दौरान सामने आई थी। पुलिस ने पहले हत्या के मामले में जयराम माणिक चागे (21), महेश सखाराम केदार (21), प्रतीक घुले (24) और विष्णु चाटे (45) को गिरफ्तार किया था जबकि एक अन्य आरोपी कृष्णा आंधले अब भी फरार है।

अंधेरी में मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड!

9.18 लाख के 120 फोन बरामद

मुंबई : अंधेरी पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 9.18 लाख रुपये कीमत के विभिन्न ब्रांड के 120 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान प्रसाद गुरव, 31, विवेक उपाध्याय, 27, और रवि वाघेला, 34 के रूप में हुई है। ये सभी अंधेरी ईस्ट में रहते हैं। इन सभी को 31 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, 31 दिसंबर को दोपहर करीब 2.50 बजे अगरकर चौक, सहार रोड, अंधेरी ईस्ट में एक व्यक्ति अपने मोबाइल फोन पर बात करते हुए पैदल जा रहा था। अचानक, एक मोटरसाइकिल उसके पास आई, जिस पर दो व्यक्ति सवार थे।

पीछे बैठे व्यक्ति ने पीड़ित का मोबाइल फोन छीन लिया और वे मौके से भाग गए। पीड़ित ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और उसी दिन मालपाड़ा डोंगरी, अंधेरी ईस्ट से दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच में पता चला कि चोरी किया गया मोबाइल फोन रवि वाघेला को सौंप दिया गया था। पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और वाघेला को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान, उन्हें वाघेला के कब्जे से विभिन्न ब्रांडों के 120 चोरी किए गए मोबाइल फोन मिले, जिनकी कीमत 9.18 लाख रुपये है। जांच में यह भी पता चला कि वाघेला के साथी मोबाइल फोन चुराकर उसे सौंपते थे। जोगेश्वरी पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ पहले भी मामला दर्ज किया जा चुका है। अंधेरी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश भामे के मार्गदर्शन में, अपराध पुलिस निरीक्षक विनोद पाटिल और उनकी टीम ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन को अंजाम दिया।

छात्र समूहों में झड़प, बाइक पार्किंग को लेकर विवाद में एक घायल

मुंबई : मलाड पश्चिम में दुगार्देवी सराफ कॉलेज के पास शनिवार शाम करीब 5 बजे छात्रों के दो गुटों के बीच झगड़ा हो गया। सूत्रों के मुताबिक, झगड़े के दौरान आदित्य निषाद नामक छात्र को कॉलेज के कुछ छात्रों और 6-7 बाहरी लोगों ने बुरी तरह पीटा। लात-घूंसे और मुक्का लगने से घायल आदित्य को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। आदित्य के बयान के आधार पर मलाड पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों गुटों के बीच झगड़ा बाइक पार्किंग को लेकर हुआ था। पुलिस की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और आश्वासन दिया कि वे मारपीट के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करेंगे और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। हालांकि, दूसरे समूह की ओर से भी औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है।

मुंबई पुलिस का अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक्शन...

घाटकोपर से 13 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है. मुंबई पुलिस ने घाटकोपर इलाके से शनिवार (4 जनवरी) देर शाम 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है. ये सभी नालासोपारा इलाके में रहते थे. इनकी गिरफ्तारी बहुत ही नाटकीय तरीके से हुई है. दरअसल, एक बांग्लादेशी की गिरफ्तारी से जुड़ी जांच के दौरान 13 और बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए. इन्हें भारत में अनधिकृत तरीके से प्रवेश करने और रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. महाराष्ट्र पुलिस अवैध प्रवासियों के खिलाफ करवाई लगातार जारी है. यह अब तक की सबसे बड़ी गिरफ्तारी बताई जा रही है.

फर्जी तरीके से बनाया था आधार कार्ड

ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि कुछ दिन पहले एक बांग्लादेशी नागरिक ने भिवंडी में 500 रुपये देकर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनवाया था. वह खुद को भारतीय नागरिक बताकर पुणे में रह रहा था. वह जुलाई में भारत आया था. पुलिस को ऐसी जानकारी मिली कि एक बांग्लादेशी नागरिक ने पुणे में ही एक जगह खरीद कर रहना शुरू कर दिया था. मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की. पुलिस ने इससे पहले भी मुंबई, नासिक, नांदेड़ और छत्रपति सांभाजीनगर से 9 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार है. इन्हें महाराष्ट्र एटीएस ने स्थानीय पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया था. इनमें महिला भी शामिल है. इनकी उम्र 24 से 54 वर्ष के बीच बताई जा रही है. इन सभी ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर आधार कार्ड बनवाया था और अवैध तरीके से भारत में रहे थे. इन पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई. बता दें, देश भर में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान चल रहा है. इस क्रम में दिल्ली में भी ऐसे अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार कर उन्हें वापस उनके देश भेज दिया गया है.

16 साल बाद 88 लाख के शुल्क चोरी धोखाधड़ी मामले में 7 कस्टम अधिकारी बरी...

मुंबई: सीबीआई द्वारा सीमा शुल्क अधिकारियों और शिपिंग कंपनियों के खिलाफ 88 लाख रुपये की शुल्क चोरी के लिए मामला दर्ज करने के सोलह साल बाद, शुक्रवार को एक विशेष अदालत ने सात आरोपियों को बरी कर दिया, यह कहते हुए कि वे साजिश का हिस्सा नहीं थे। हालांकि, अदालत ने कहा कि घोटाले के मास्टरमाइंड की सुनवाई लंबित रहने के दौरान मौत हो गई। सीबीआई के अनुसार, सीमा शुल्क अधीक्षक 60 वर्षीय देवेंद्र वर्मा और 56 वर्षीय दावा इंजंग और सीमा शुल्क परीक्षक 63 वर्षीय सुरेश शेट्टी ने आरोपी फर्म अमरीन इम्पेक्स, उसके मालिक समीर सहगल और सीमा शुल्क हाउस एजेंट (सीएचए) एमडी शिपिंग एजेंसी के पार्टनर दीपक के जोशी के साथ मिलीभगत की। एजेंसी ने दावा किया था कि उन्होंने ड्यूटी एंटाइटेलमेंट पास बुक (डीईपीबी) लाइसेंस प्राप्त करने के लिए माल का विवरण, वजन और मूल्य गलत घोषित किया था। इसके अलावा, अमरीन इम्पेक्स के आसिफ अहमद कच्छी ने भी यूको बैंक के जाली बैंक प्राप्ति प्रमाणपत्रों का उपयोग करके धोखाधड़ी से डीईपीबी लाइसेंस प्राप्त किया, जिससे सरकारी खजाने को 88 लाख रुपये का गलत नुकसान हुआ। यह दावा किया गया कि कच्छी और सहगल ने गुरमीत सिंह कोहली और उनके सहयोगी रमेश सिंह के साथ मिलीभगत करके गलत घोषित माल का निर्यात करने का प्रयास किया था।

संपादकीय...

बजट से जनता को कई उम्मीदें...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

पिछले लोकसभा चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को अपने बलबूते बहुमत नहीं मिला तो इसके कयास लगाए जाने लगे कि गठबंधन सरकार उस वेग और लचीलेपन के साथ कार्य नहीं कर पाएगी, जैसा पिछले दो कार्यकालों में दिखा था। गठबंधन सरकार की अपनी मजबूरियां होती हैं। तीसरी पारी में मोदी सरकार को अपना एजेंडा इसे ध्यान में रखकर बढ़ाना है कि वह नीतीश कुमार की जदयू और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन पर निर्भर है। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के लगभग सात माह पूरे कर चुकी है। इस दौरान ऐसा लगा कि वह कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा तय किए जा रहे नैरेटिव और उनके विरोध के कारण उस गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिसकी अपेक्षा की थी। यह साफ दिख रहा है कि उसे वक्फ अधिनियम, एक देश-एक चुनाव पर विपक्ष के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल का अपना जो पहला बजट पेश किया, उसमें ऐसे क्रांतिकारी कदम नहीं दिखे, जो देश की मूलभूत समस्याओं का निराकरण कर पाते।यदि संसद के पिछले सत्रों को देखा जाए तो मोदी सरकार महत्वपूर्ण समझा जाने वाला एक मात्र बिल- भारतीय वायुयान विधेयक ही पारित करा सकी है। पिछली सरकारों की तरह मोदी सरकार भी रह-रहकर होने वाले विधानसभा चुनावों का सामना करती है। बार-बार चुनावों के चलते सत्तापक्ष को विपक्ष को जवाब देने के लिए उस जैसे ही तौर-तरीके अपनाने पड़ते हैं। कई बार तो उसे न चाहते हुए भी वह सब करना पड़ता है, जो आर्थिक दृष्टि से सही नहीं होता। भाजपा को वैसी जन कल्याणकारी योजनाएं घोषित करनी पड़ी हैं, जैसी विपक्षी दलों ने वोट हासिल करने के लिए घोषित कीं।

महिलाओं को मासिक भुगतान देने का जो चलन शुरू हुआ है, उससे अब कोई भी दल अछूता नहीं है। महिलाओं को आकर्षित करने वाली इन योजनाओं के कारण ही महाराष्ट्र में भाजपा को प्रचंड जीत मिली। मध्य प्रदेश, हिमाचल, कर्नाटक और झारखंड में भी ऐसी योजनाएं वोट हासिल करने का जरिया बनीं। अब दिल्ली में आम आदमी पार्टी भी इसी तरह की योजना लेकर आई है। राजनीतिक दल चाहे जो दावा करें, सरकारी कोष पर बोझ बनने वाली ऐसी योजनाओं को संचालित करने से बुनियादी बदलाव लाने वाली योजनाएं शुरू करने में समस्या होती है। मोदी सरकार कुछ दूरगामी प्रभाव वाली नीतियों पर कार्य कर रही है, जैसे जल प्राधिकारण बनाने की तैयारी।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

राजनीतिक दलों ने बीएमसी चुनाव जीतने के लिए शुरू की तैयारी

मुंबई : महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद अब राजनीतिक दलों की नजर देश की सबसे बड़ी बजट वाली मुंबई महानगर पालिका पर है. राजनीतिक दलों ने बीएमसी चुनाव जीतने के लिए तैयारी शुरू कर दी है. एकनाथ शिंदे बीएमसी चुनाव में उद्धव ठाकरे को शिकस्त देने की तैयारी कर रहे हैं. आने वाले दिनों मे दिनों में शिंदे बीएमसी चुनाव की तैयारियों का जायजा लेंगे. उद्धव ठाकरे से बगावत के बाद अब एकनाथ शिंदे नए साल में नयी चुनौती का सामना करने को तैयार हैं. दरअसल, शिंदे महायुती गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे. उद्धव ठाकरे का पिछले 25 वर्षों से बीएमसी पर कब्जा रहा है. पर अब परिस्थित बिल्कुल बदल गई है. सांसद, विधायक और पूर्व नगर सेवक शिंदे के साथ जुड़ गये हैं. इसलिए शिंदे उद्धव ठाकरे को टक्कर देने के लिए तैयार हैं. बीएमसी चुनाव में बीजेपी और द्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच टक्कर होगी. एकनाथ शिंदे की शिवसेना का भी महत्वपूर्ण रोल होने वाला है. शिंदे की शिवसेना बीएमसी चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है. पिछले 25 वर्षों से बीएमसी में उद्धव ठाकरे का मेयर बैठते आया है.

बीएमसी चुनाव की तैयारी में जुटे दल

बगावत के बाद 50 से ज्यादा नगर सेवक शिंदे खेमे में बताए गए हैं. 2012 तक बीजेपी और ठाकरे की शिवसेना का गठबंधन रहा है. 2017 में ठाकरे की शिवेसना और बीजेपी ने अलग-अलग चुनाव लड़ा और चुनाव के बाद साथ आए. आंकड़ों पर नजर डालने से पता चलता है कि 2012 के मुकाबले 2017 में बीजेपी ने जोरदार वापसी की. 2012 में मुंबई नगर निगम में बीजेपी के 21 नगर सेवक थे, लेकिन 2017 में नगर सेवकों की संख्या बढ़कर 82 हो गई. 2017 में शिवसेना और बीजेपी ने मुंबई नगर निगम का चुनाव अलग-अलग लड़ा था. इसके बावजूद बीजेपी अपने दम पर 82 सीटों तक पहुंचने में कामयाब रही और नगर निगम में दो दशक से ज्यादा समय से सत्ता पर काबिज शिवसेना 84 सीटों पर अटक गई.

बदलापुर निवासी ने चौकीदार की नौकरी छूटने के बाद खुद को आग लगाकर आत्महत्या !

ठाणे: ठाणे जिले के बदलापुर निवासी 35 वर्षीय व्यक्ति ने चौकीदार की नौकरी छूटने के बाद खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। संतोष सावंत ने खुद पर केरोसिन डालकर आग लगा ली। एक अधिकारी ने बताया कि उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुंबई को बेहतर बनाने के लिए 60 हजार करोड़ का खर्चा - सांसद पीयूष गोयल

मुंबई : केंद्रीय मंत्री और सांसद पीयूष गोयल ने शनिवार को बीएमसी हेड क्वाटर में जाकर उत्तर मुम्बई के सार्वजनिक निर्माण कार्यों की समीक्षा की. इस दौरान पीयूष गोयल ने कहा कि मुंबईकरों की सेवा के लिए डबल इंजन सरकार तो पहले से ही काम कर रही है, लेकिन अब नए साल से नई ट्रिपल इंजन सरकार काम करे, इसके लिए हम प्रयासरत हैं. उत्तर मुंबई से सांसद पीयूष गोयल ने कहा, हम चाहते हैं कि काम तीन गुना ज्यादा तेजी और मेहनत से हो, जिससे तीन गुना ज्यादा परिणाम आ सके और तीन गुना लोगों के जीवन पर इसका अच्छा प्रभाव पड़े.

60 हजार करोड़ का खर्च

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने संकल्प लिया था कि उत्तर मुंबई को उत्तम मुंबई बनाना है, जो पीएम मोदी का सपना है. इसी दिशा में लंबी चर्चा हुई. उन्होंने कहा कि इस चर्चा की यह तीसरी बैठक है. 60 हजार करोड़ का खर्चा मुंबई को बेहतर बनाने के लिए होने जा रहा है. उन्होंने कहा कि कोस्टल रोड का जल्दी पूरा हो इसके लिए काम तेजी से चल रहा है. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उनके लोकसभा क्षेत्र के शहरी परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से बदलने के लिए इस साल कई महत्वपूर्ण पहलों पर काम किया जाएगा. गोयल ने पिछले साल उत्तरी मुंबई से अपना पहला लोकसभा चुनाव जीता था. उन्होंने कहा कि इस साल हमारे पास अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए कई बड़ी योजनाएं हैं. हम देख रहे हैं कि हम कितनी जल्दी झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को उसी स्थान पर पक्के मकान उपलब्ध करा सकते हैं. यह एक ऐसी परियोजना है जिस पर काम जारी है.

चार रेलवे स्टेशनों पर शुरू होगा काम

उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में कांदिवली सहित सभी चार रेलवे स्टेशनों पर जल्द ही काम शुरू हो जाएगा, जो अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) का हिस्सा है. इस पहल का उद्देश्य दीर्घकालिक दृष्टि से स्टेशन का निरंतर विकास करना है. उन्होंने कहा कि केंद्र ने पिछले साल बोरीवली तक हार्बर लाइन विस्तार की घोषणा भी की थी. इससे नवी मुंबई से उत्तरी मुंबई के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी. मंत्री ने कहा कि वह इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं क्योंकि एक तरफ हमारे पास संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान है और दूसरी तरफ हमारे पास खूबसूरत समुद्र है. पीयूष गोयल ने कहा कि मगाथाने का रोड तैयार है, बस थोड़ा काम बाकी है, उसके लिए काम चल रहा है.

देश की सुरक्षा के साथ ''कोई समझौता'' नहीं - उपमुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई: बांग्लादेश से अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई के बाद, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि देश की सुरक्षा के साथ ''कोई समझौता'' नहीं किया गया है। ''उन्हें बांग्लादेश भेजा गया है। यह कार्रवाई तेजी से की जा रही है... केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस पर एक बैठक की अध्यक्षता की थी, इस मुद्दे को गंभीरता से लिया गया है। देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है,'' शिंदे ने संवाददाताओं से कहा।

यह उन अवैध अप्रवासियों, विशेष रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के राष्ट्रीय राजधानी और महाराष्ट्र में कथित रूप से प्रवेश करने और बसने की खबरों के बीच आया है। एकनाथ शिंदे ने आगे कहा कि ''बड़े फैसले'' लिए जाने की जरूरत है, इसलिए हर विभाग की बैठक हो रही है। उन्होंने कहा, '' पीएम मोदी का विजन देश को आगे ले जाना और विकास करना है, 2047 में विकसित भारत बनाना है, इसलिए महाराष्ट्र का भी विकास होना चाहिए। सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में आज एक बैठक हुई। 100 दिन का विजन, इन 100 दिनों में सरकार के हर विभाग की समीक्षा की जाएगी और इस 100 दिनों में हम क्या करेंगे...बड़े फैसले लेने की जरूरत है, इसलिए हर विभाग की बैठक हो रही है। मेट्रो 3 शुरू होगी...

इससे लाखों लोगों को फायदा होगा और ट्रैफिक कम होगा।'' शुक्रवार को एकनाथ शिंदे ने आवास विभाग के साथ बैठक की और कहा कि रुकी हुई परियोजनाओं को पुनर्जीवित करना और लोगों को किफायती आवास और किराये के विकल्प उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनकी सरकार आम लोगों के लिए है। शिंदे ने कहा, ''हमारी सरकार आम लोगों के लिए है। घर हर किसी का सपना होता है और हर व्यक्ति को घर मुहैया कराना प्रधानमंत्री का विजन है। हम इसे जरूर पूरा करेंगे।'' इससे पहले एकनाथ शिंदे ने घोषणा की कि राज्य सरकार के कब्जे वाली 4,800 हेक्टेयर जमीन किसानों को वापस कर दी जाएगी।

मुंब्रा में तौलिया पहनकर घूमने पर एक व्यक्ति की पिटाई...

चौंकाने वाला वीडियो सामने आया

मुंबई : सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीड़ित व्यक्ति की पहचान मस्तकीम के रूप में हुई है। वीडियो में तीन से चार लोग मस्तकीन की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। वह मदद के लिए चिल्ला रहा था, लेकिन कोई उसे बचाने नहीं आया। मुंबई से सटे मुंब्रा इलाके में एक चौंकाने वाली घटना में कथित तौर पर तौलिया पहनकर घूमने वाले एक व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई की गई। घटना का वीडियो शनिवार को सामने आया और जल्द ही यह सोशल मीडिया पर छा गया। वीडियो में भीड़ को तौलिया पहने व्यक्ति को लाठियों से पीटते हुए देखा जा सकता है। यह घटना ठाणे के मुंब्रा में खरदी रोड स्थित खलील कंपाउंड में हुई। सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्यक्ति की पहचान मस्तकीम के रूप में हुई है। वीडियो में तीन से चार लोग मस्तकीन की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। वह मदद के लिए चिल्ला रहा था, लेकिन कोई उसे बचाने नहीं आया।कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि पीड़ित अपनी बालकनी में तौलिया लपेटे घूम रहा था, तभी उसके पड़ोस में रहने वाली महिलाओं ने अपने पतियों को उसके बारे में बताया। घटना की सही तारीख का पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि उसे चोटें आई हैं। पुलिस ने इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है।

महानगर पालिका ने दर्जनों कंस्ट्रक्शन साइट को नोटिस जारी किया है लेकिन वहां भी काम जारी...

मुंबई : मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण से आम लोग परेशान हैं. मिट्टी और मलवे से भरे ट्रक और डंपर की वजह से काफी धूल उड़ते हैं, जिसकी वजह से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है. प्रदूषण को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार कड़े कदम उठा रही है. सवाल है कि कंस्ट्रक्शन काम में लगे ठेकेदार या कंपनियां क्या नियम कानूनों का ठीक से पालन कर रहे हैं?

कुछ दिनों पहले मुंबई से सटे मीरा भयंदर इलाके में मजबूरन लोग सड़क पर उतर पड़े. विरोध प्रदर्शन करते लोगों ने मिट्टी और मलवे से भरे सैकड़ों ट्रकों को सड़क पर रोक दिया. एबीपी न्यूज से बातचीत में वहां के स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने कहा कि लोग बीमार हो रहे हैं और बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो गया है. यहां पर कुछ ऐसे लोग मिले जिनका दावा था कि वह महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनायक के ऑफिस से आए हुए हैं. उन्हें भी ये पता करने के लिए भेजा गया है कि क्या वास्तव में यहां पर मिट्टी से भरे आते जाते डंपरों की वजह से दिक्कत खड़ी हो रही है. इसकी रिपोर्ट हमें मंत्री प्रताप सरनाईक को देनी है. मुंबई से सटे भयंदर इलाके के महेश्वरी भवन रोड के पास उस जगह पर पहुंची जहां जमीन की भराई हो रही थी, इसमें ट्रकों से मिट्टी डाली जा रही थी. पता चला कि सैकड़ों ट्रकों की आवाजाही लगातार जारी है. धूल और मिट्टी उड़ने की वजह से यहां भी लोग परेशान दिखे. मुंबई और उसके आसपास के नगरों में बढ़ते वायु प्रदूषण की दिक्कत को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार और महानगर पालिका ने दर्जनों कंस्ट्रक्शन साइट को नोटिस जारी किया है. तो मुंबई के दो इलाके बोरीवली और भायखला में कंस्ट्रक्शन साइट पर पूरी तरह से काम बंद करने का आदेश दिया है और अगर कोई करता है तो इसे आपराधिक श्रेणी में माना जाएगा. एबीपी न्यूज ने मुंबई के बोरीवली इलाके में क्या काम बंद है, इसका रियलिटी चेक किया. यहां कुछ जगहों पर काम बंद था तो कुछ जगहों पर काम चालू दिखा. मुंबई और उसके उप नगरों में तमाम जगहों पर सरकारी काम भी लगातार होते दिख रहे हैं. कुछ दिनों पहले ही एमएमआरडीए ने आदेश जारी किया था कि वायु प्रदूषण को रोकने में अगर कॉन्ट्रैक्टर इन नियमों का पालन नहीं करते हैं तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जुमार्ना लगाया जाएगा.

मुंबई एक्सिस म्यूचुअल फंड डीलर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबईः व्यवसायी महिला ने एक्सिस म्यूचुअल फंड डीलर वीरेन जोशी के खिलाफ धन के कथित दुरुपयोग के लिए धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। वडाला, मुंबई में रहने वाली व्यवसायी महिला सोनी जितेंद्र परमार (51) ने एक्सिस म्यूचुअल फंड के वरिष्ठ डीलर वीरेन जोशी के खिलाफ बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।शुरू में कुर्ला कोर्ट में दर्ज की गई शिकायत के बाद सायन पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक को मामला दर्ज कर मामले की आगे की जांच करने का निर्देश दिया गया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता सोनी परमार ने एक्सिस बैंक की सायन शाखा में एक बैंक खाता खोला हुआ था और वह एक्सिस म्यूचुअल फंड में निवेशक थी। मुख्य डीलर के तौर पर जोशी ने सितंबर 2021 और मार्च 2022 के बीच अनधिकृत व्यक्तियों और निजी कंपनियों को संवेदनशील निवेश जानकारी लीक करके कथित तौर पर गोपनीयता भंग की, जिससे बाजार की अखंडता से समझौता हुआ।

परमार ने इस योजना में शामिल जोशी के कई सहयोगियों का नाम लिया, जिनमें सुमित देसाई, प्रणव वोरा, बृजेश कुरानी और वैभव पंड्या शामिल हैं। उन्होंने उन पर मार्फतिया समूह, वुडस्टॉक समूह और कुरानी समूह के तहत शेल कंपनियाँ बनाने का आरोप लगाया। जोशी ने कथित तौर पर गोपनीय व्यापार रणनीतियों को संप्रेषित करने के लिए कई मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया, उच्च-मूल्य के लेन-देन को इन सहयोगियों द्वारा प्रबंधित दुबई-आधारित ट्रेडिंग टर्मिनलों से जुड़े व्यक्तिगत खातों में स्थानांतरित किया। शिकायत में आगे कहा गया है कि अवैध व्यापार संचालन ने ₹30.56 करोड़ का मुनाफा कमाया, जिसमें से जोशी ने व्यक्तिगत रूप से ₹12 करोड़ कमाए। इसके अतिरिक्त, कुरानी समूह से जुड़े दुबई स्थित खाते का इस्तेमाल अप्रैल-मई 2022 के दौरान ₹11.62 करोड़ की लूट के लिए किया गया, इस राशि को दिरहम से भारतीय रुपये में परिवर्तित किया गया। कथित तौर पर वित्तीय सुराग अपतटीय होल्डिंग्स की ओर ले जाते हैं, जिसमें मुंबई और लंदन में ₹150 करोड़ से अधिक मूल्य की पर्याप्त सावधि जमा और प्रमुख अचल संपत्ति शामिल है। शिकायतकर्ता परमार ने सेबी द्वारा चल रही जांच का भी हवाला दिया, जिसमें 28 फरवरी, 2023 को जारी एकपक्षीय आदेश में जोशी और उनके सहयोगियों पर सेबी अधिनियम, 1992 की कई धाराओं के तहत प्रतिबंध लगाए गए थे। इसके अलावा, आयकर विभाग ने कथित तौर पर उनकी अघोषित संपत्तियों से जुड़े ₹55 करोड़ जब्त किए। जोशी और उनके नेटवर्क द्वारा अनधिकृत ट्रेडिंग और शेयर हेरफेर के कारण एक्सिस म्यूचुअल फंड के 66 लाख निवेशकों को सामूहिक रूप से ₹2.52 लाख करोड़ का अनुमानित नुकसान हुआ।

मुंबई-गोवा हाईवे परियोजना 14 साल से अधिक समय से निमार्णाधीन, यात्रियों में निराशा

मुंबईः लंबे समय से लंबित मुंबई-गोवा हाईवे परियोजना 14 साल से अधिक समय से निमार्णाधीन है, जिससे यात्रियों में निराशा है और राजनीतिक विवाद भी पैदा हो रहे हैं। महाराष्ट्र और गोवा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार होने के कारण नागरिकों को उम्मीद है कि परियोजना आखिरकार एकीकृत नेतृत्व में पूरी होगी। मौजूदा सड़क कई हिस्सों में इतनी खराब स्थिति में है कि मुंबईकर गोवा जाने के लिए सतारा मार्ग का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राज्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने हाल ही में घोषणा की कि राजमार्ग विस्तार में और देरी होगी, अगले दो वर्षों में पूरा करने के लिए एक नया लक्ष्य निर्धारित किया गया है।तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री रवींद्र चव्हाण ने पिछले साल सितंबर में स्वीकार किया था कि 14 पुलों और आसपास की सर्विस सड़कों सहित प्रमुख खंडों पर निर्माण समय से पीछे चल रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य अगले दो वर्षों के भीतर इस काम को पूरा करना है,'' उन्होंने परियोजना की शुरूआत से ही चुनौतियों को स्वीकार किया।

मुंबई को गोवा से जोड़ने वाला 555 किलोमीटर लंबा राजमार्ग औद्योगिक, व्यापार और पर्यटन क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग के

रूप में कार्य करता है। इसमें से 471 किलोमीटर महाराष्ट्र में आते हैं, जो पनवेल, महाड, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से होकर गुजरते हैं।मूल रूप से बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) मॉडल के तहत योजना बनाई गई, इस परियोजना को विभिन्न ठेकेदारों को दिए गए 10 निर्माण पैकेजों में विभाजित किया गया था। हालांकि, वन मंजूरी, भूमि अधिग्रहण बाधाओं और घटिया निर्माण कार्य के कारण बार-बार देरी हुई।

सबसे प्रतीक्षित खंडों में से एक कशेड़ी घाट पर जुड़वां सुरंगें हैं, जिन्हें पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा और गति में सुधार के लिए डिजाइन किया गया है। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों सुरंगों पर निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा, ''हम 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस तक सुरंगों को पूरी तरह से चालू करने के लिए लगन से काम कर रहे हैं।''पहले गणेशोत्सव यातायात के लिए खोले गए सुरंगों को पानी के रिसाव और बिजली की समस्याओं के कारण फिर से बंद कर दिया गया था।

मुंबई में आखिरी नॉन-एसी डबल-डेकर कोच ट्रेन दो दशकों से अधिक की सेवा के बाद फाइनली बंद

मुंबई : पश्चिम रेलवे की मुंबई में आखिरी नॉन-एसी डबल-डेकर कोच ट्रेन दो दशकों से अधिक की सेवा के बाद फाइनली बंद हो गई है. इस ट्रेन की सेवा को पश्चिम रेलवे ने शनिवार (4 जनवरी, 2025) से बंद कर दिया है. इसी के साथ भारतीय रेलवे में डबल-डेकर कोच ट्रेनों का एक युग समाप्त हो गया है.

पश्चिम रेलवे के अनुसार 4 जनवरी 2025 तक अपने नियमित समय के अनुसार इस ट्रेन ने सेवा देते हुए अपनी यात्रा समाप्त की. पश्चिम रेलवे के मुताबिक, यह ट्रेन, जो वर्तमान में 18 कोचों वाली रेक के साथ चलती थी, जो 5 जनवरी से 22 कोचों के पारंपरिक कछऋरेक के साथ चलेगी, जो अभी कहीं और चल रही है. एक कछऋट्रेन पुरानी नॉन-एसी डबल-डेकर ट्रेन की जगह लेगी.

शनिवार को आखिरी बार डबल-डेकर कोचों के साथ चलने वाली इस ट्रेन के रिटायरमेंट के दिन तमाम रेलवे कर्मचारी भी मौजूद रहे और इस ट्रेन को आज अंतिम विदाई दी गई. ट्रेनों में किए इस परिवर्तन का उद्देश्य मौजूदा डबल डेकर ट्रेन के यात्रियों को सुविधा देना है, जो मुंबई की ट्रेन सेवाओं की खास विशेषता रही है. एक अधिकारी के मुताबिक, नए आईसीएफ रेक में सीटिंग की जगह के साथ साथ ऊपर के बर्थ की भी सुविधा होगी. खास बात ये है कि ये मौजूदा डबल डेकर ट्रेन के बराबर सुविधा देना. हर डबल डेकर कोच में 136 यात्रियों के बैठके की जगह होती थी. साथ ही गलियारों और ट्रेन के दरवाजों के पास की जगह को मिलाकर इसमें कुल 250 से 260 लोग आ जाते थे.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य साइबर सुरक्षा परियोजना को पूरी क्षमता के साथ लागू करने के निर्देश दिए

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य साइबर सुरक्षा परियोजना को पूरी क्षमता के साथ लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, मुख्यमंत्री फडणवीस ने आज सह्याद्री गेस्ट हाउस में अगले 100 दिनों के लिए गृह विभाग की योजना की समीक्षा की।

सीएम फडणवीस ने कहा कि साइबर सुरक्षा परियोजना के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शासन, जोखिम और अनुपालन किया जाना चाहिए । ''एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के लिए नए पदों का सृजन किया जाना चाहिए।

नक्सल प्रभावित जिलों में नक्सल विरोधी गतिविधियों में नई सशस्त्र चौकियों की स्थापना के काम में तेजी लाई जानी चाहिए और केंद्र सरकार की तर्ज पर महाराष्ट्र जेल नियमों का मसौदा तैयार किया जाना चाहिए,'' सीएम फडणवीस ने सुझाव दिया । गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव इकबाल सिंह चहल ने कहा कि न्यायिक सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाला निदेशालय के तहत सभी प्रायोगिक स्कूलों का कम्प्यूटरीकरण चल रहा है इसमें मुंबई, पुणे, नागपुर, छत्रपति संभाजीनगर, नासिक के पांच प्रायोगिक विद्यालयों का कम्प्यूटरीकरण शामिल है और इस परियोजना के लिए क्षेत्रीय न्यायिक सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाला में डेटा सेंटर स्थापित किया गया है। इस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अमरावती, कोल्हापुर, नांदेड़, ठाणे, धुले, सोलापुर, रत्नागिरी, चंद्रपुर में प्रयोगशालाओं का कम्प्यूटरीकरण किया जाना चाहिए।

बैठक में कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, गृह राज्य मंत्री (ग्रामीण) डॉ. पंकज भोयर, गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव इकबाल सिंह चहल, अतिरिक्त मुख्य सचिव ओपी गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अश्विनी भिडे, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इससे पहले, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार मंत्रालय, सचिवालय की सुरक्षा के लिए एक सुरक्षा प्रणाली लागू कर रही है। मुंबई में कैबिनेट बैठक के बाद सीएम फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, ''हम मंत्रालय की सुरक्षा के लिए एक सुरक्षा प्रणाली बना रहे हैं... इसके

तहत, मंत्रालय में आने वाले हर व्यक्ति को एक पास दिया जाएगा। जब व्यक्ति बाहर जाएगा, तो उसे पास वापस करना होगा।'' उन्होंने आगे कहा कि जैसे आधार एक विशिष्ट पहचान है, वैसे ही काम के लिए एक पहचान बनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक कार्य के लिए एक विशिष्ट आईडी बनाई जाएगी।'' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट फाइलों के ई-मूवमेंट के लिए ई-कैबिनेट शुरू किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज की सीट दिलाने के नाम पर 45 लाख रुपये ठगने का मामला दर्ज

मुंबईः वसोर्वा पुलिस ने एक महिला समेत चार लोगों पर एक विधवा से उसकी बेटी के लिए मेडिकल कॉलेज की सीट दिलाने के नाम पर 45 लाख रुपये ठगने का मामला दर्ज किया है। एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता 51 वर्षीय संजना गोंधले अंधेरी पश्चिम के वसोर्वा में रहती हैं और एक क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करती हैं। उनकी बेटी मिताली ने 2020 की ठएएळ परीक्षा पास कर ली थी और मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए विकल्प तलाश रही थी। इस दौरान, आरोपियों में से एक और गोंधले की पुरानी परिचित मेघना सतपुते ने उसे आश्वासन दिया कि वह मिताली का दाखिला करा सकती है और मार्च 2021 में उसे नितेश पवार और राकेश गावड़े से मिलवाया। गोंधले ने आरोप लगाया कि दोनों ने खुद को एसएसपीएम मेडिकल कॉलेज, सिंधुदुर्ग का ट्रस्टी बताया और मैनेजमेंट कोटे के तहत दाखिला दिलाने का वादा किया और 15 लाख रुपये लिए। उन्होंने आगे कहा कि बाद में आरोपियों ने दावा किया कि महामारी से संबंधित नियमों में बदलाव के कारण सीट खरीदने के लिए आवश्यक राशि बढ़कर 45 लाख रुपये हो गई है। शिकायतकर्ता का विश्वास जीतने के लिए पवार और सतपुते ने गोंधले को सावंत काका से मिलवाया, जिन्होंने उसे मेरिट लिस्ट दिखाई और दावा किया कि उसकी बेटी का एडमिशन पक्का हो गया है।

उन पर भरोसा करके गोंधले ने बाकी बची रकम पवार को ट्रांसफर कर दी। जब उसने बार-बार एडमिशन प्रक्रिया के बारे में पूछताछ की, तो आरोपी ने धमकी दी कि आगे की पूछताछ से एडमिशन रद्द हो सकता है और 50% फीस कट सकती है। डर के मारे महिला ने कुछ समय के लिए संपर्क करना बंद कर दिया। हालांकि, जब उसे एडमिशन लेटर नहीं मिला और वह आरोपी से संपर्क भी नहीं कर पाई, तो उसे शक हुआ। आखिरकार गोंधले ने सीधे कॉलेज से संपर्क किया और यह जानकर हैरान रह गई कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में एक अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की

मुंबईः बॉम्बे हाईकोर्ट ने एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में एक अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की है, जिसमें श्याम धनी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को उनके मिर्च पाउडर उत्पादों के लिए ट्रेडमार्क ''तिखा लाल'' का उपयोग करने से रोक दिया गया है। एक प्रमुख मसाला निमार्ता एवरेस्ट ने 2002 में ''तिखा लाल'' ट्रेडमार्क पंजीकृत किया था और तब से इस ब्रांड के तहत पर्याप्त सद्भावना और प्रतिष्ठा अर्जित की है।2019 में, एवरेस्ट को पता चला कि श्याम धनी इंडस्ट्रीज ''श्याम तिखा लाल'' लेबल के तहत मिर्च पाउडर का विपणन कर रही थी। जांच करने पर, एवरेस्ट ने पाया कि प्रतिवादी ने इस लेबल के लिए ट्रेडमार्क हासिल कर लिया था। एवरेस्ट ने प्रतिवादी के पंजीकरण को रद्द करने के लिए ट्रेडमार्क रजिस्ट्रार के पास एक सुधार आवेदन दायर किया; जो अभी भी लंबित है। इसके अतिरिक्त, एवरेस्ट ने प्रतिवादी को एक नोटिस जारी किया, जिसका कोई जवाब नहीं मिला, जिसके कारण एवरेस्ट ने ट्रेडमार्क उल्लंघन और पासिंग ऑफ का आरोप लगाते हुए मुकदमा शुरू किया।अंतरिम आवेदन के दौरान, एवरेस्ट ने प्रतिवादी पर ''TIKHA LAL'' ट्रेडमार्क के पूर्व उपयोग को गलत तरीके से प्रदर्शित करने के लिए जाली बिक्री चालान प्रस्तुत करके अदालत को गुमराह करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

वसोर्वा से विरार तक का सफर 45 मिनट में... सी-लिंक होगा 55 किमी लंबी

मुंबई : मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने उत्तन (भाईंदर) से विरार के बीच 55 किमी लंबे नए लिंक रोड का प्लान तैयार कर लिया है। 55 किमी लंबी नई सड़क में 24 किमी का सी लिंक होगा। 19.1 मीटर चौड़ी और 5 लेन वाली सड़क के प्लान को मंजूरी के लिए जल्द ही सरकार के पास भेजा जाएगा। 55 किमी की नई सड़क बीएमसी द्वारा तैयार किए जा रहे कोस्टल रोड से कनेक्ट होगी। कोस्टल रोड वसोर्वा से भाईंदर के उत्तन के बीच बन रहा है। एमएमआरडीए कमिश्नर संजय मुखर्जी के अनुसार, 55 किमी लंबी नई सड़क की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। मौजूदा समय में डीपीआर के रिव्यू का काम अंतिम चरण में है। रिव्यू का काम फाइनल होते ही डीपीआर को मंजूरी के लिए सरकार के पास भेज दिया जाएगा। यह प्रोजेक्ट कोस्टल रोड को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इन दोनों प्रोजेक्ट के पूरा होने से वसोर्वा से विरार का सफर केवल 45 मिनट में पूरा करना संभव होगा।

3 स्थानों पर कनेक्टर की सुविधा

55 किमी लंबे मार्ग की लंबाई को देखते हुए प्रोजेक्ट में 3 स्थानों पर कनेक्टर की सुविधा होगी। वसई, विरार और उत्तन में कनेक्टर तैयार किए जाएंगे। 55 किमी के मार्ग का डीपीआर तैयार करने के साथ ही एमएमआरडीए प्रोजेक्ट के विस्तार की योजना पर भी काम कर रहा है। सरकार उत्तन से विरार तक बनने वाली सड़क का विस्तार पालघर तक करना चाहती है।

मुंबई और एमएमआर को जोड़ने में यह प्रोजेक्ट काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अभी मुंबई आने के लिए इस रूट पर वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और लोकल ट्रेन की ही सुविधा है, जिसकी वजह से वेस्टर्न एक्सप्रेस वे पर जाम और लोकल ट्रेन में भारी भीड़ रहती है। नए लिंक रोड के बनने से नागरिकों को ट्रैफिक जाम से जहां राहत मिलेगी, वहीं लोकल ट्रेन पर भी भार कम होगा। एमएमआरडीए दूसरे फेज में विरार से पालघर के बीच रोड तैयार करेगा।

यह कोस्टल रोड, बांद्रा-वर्ली सी लिंक, बांद्रा-वसोर्वा, वसोर्वा-दहिसर और दहिसर -भाईंदर होते हुए उत्तन से विरार को कनेक्ट करेगी। फिर पालघर तक बनने वाली सड़क एक दूसरे से कनेक्ट होगी। इस वजह से यात्री के पास यात्रा पूरी करने के लिए नई सड़क का विकल्प उपलब्ध होगा। गाड़ियां बगैर ट्रैफिक में फंसे साउथ मुंबई से विरार और पालघर तक पहुंच सकेंगी।

नवी मुंबई में 17 वर्षीय बहन को आग लगाने की कोशिश करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

नवी मुंबई : एक व्यक्ति को अपनी 17 वर्षीय बहन को आग लगाने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम को एपीएमसी इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि आरोपी को शक था कि उसकी बहन का किसी व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने अपनी बहन को घटनास्थल पर कथित तौर पर बुलाया, उस पर पेट्रोल डाला और उसकी गर्दन पर चाकू रख दिया और लाइटर से उसे आग लगाने की धमकी दी। अधिकारी ने बताया कि लड़की किसी तरह से खुद को छुड़ाने में कामयाब रही और उसने पुलिस से शिकायत की। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com